डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

बुलेटिन संख्या–23
दिनांक– शुक्रवार, 20 मार्च, 2026

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय बेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 32.2 एवं 16.4 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 89 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 59 प्रतिशत, हवा की औसत गति 5.5 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 3.7 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 6.8 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 22.1 एवं दोपहर में 34.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(21–25 मार्च, 2026)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 21–25 मार्च, 2026 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान अवधि के दौरान उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के बादल बने रह सकते हैं, जिसके चलते 21–22 मार्च के आसपास हल्की वर्षा की संभावना है। इस अवधि में कई स्थानों पर आकाशीय बिजली चमक सकती है, कुछ क्षेत्रों में तेज हवाएं चलने की संभावना है तथा कहीं–कहीं ओलावृष्टि भी हो सकती है। इसके अतिरिक्त, शेष दिनों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की संभावना है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 34 से 36 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। न्यूनतम तापमान 20 से 22 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 9 से 12 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्य रुप से पछिया हवा चलने की सम्भावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 55 से 65 प्रतिशत तथा दोपहर में 30 से 35 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- उत्तर बिहार में 21–22 मार्च के आसपास हल्की बारिश की संभावना है। इसलिए किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम को ध्यान में रखते हुए खड़ी फसलों की सिंचाई करें और तैयार फसलों की कटाई सावधानीपूर्वक करें। गरमा मौसम की सब्जियाँ जैसे भिंडी, नेनुआ, करेला, लौकी (कद्दू) और खीरा की फसलों में 21–22 मार्च तक सिंचाई स्थगित रखें। यदि इस अवधि में वर्षा न हो, तभी सिंचाई करें।
- बढ़ते तापमान में थ्रिप्स कीट तेजी से बढ़ते हैं, जो पत्तियों से रस चूसकर उन्हें टेढ़ा–मेढ़ा और सफेद दागयुक्त बना देते हैं। समय पर नियंत्रण नहीं होने पर उपज में भारी कमी आती है। इसके नियंत्रण हेतु प्रोफेनोफॉस 50 ईसी 1 मि.ली. प्रति लीटर पानी या इमिडाक्लोप्रिड 1 मि.ली. प्रति 4 लीटर पानी में घोलकर 10–15 दिन के अंतराल पर दो बार छिड़काव करें, और दवाओं को बदल–बदल कर उपयोग करें।
- ओल की रोपाई के लिए गजेन्द्र किस्म उपयुक्त है। रोपाई के लिए कम से कम 0.5 किलोग्राम वजन वाले कंद का चयन करें और 75×75 सेमी की दूरी रखें। बीज दर 80 क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखें तथा इससे कम वजन वाले कंदों का उपयोग न करें।
- रबी मक्का और देर से बोए गए गेहूं की फसल में दाना बनने से लेकर दूध भरने की अवस्था तक पर्याप्त नमी बनाए रखना जरूरी है। इस दौरान हल्की हवा होने पर ही सिंचाई करें ताकि पानी का सही उपयोग हो सके।
- नेनुआ, करेला, लौकी और खीरा जैसी बेल वाली सब्जियों में शुरुआती अवस्था में लाल भृंग कीट से भारी नुकसान होता है। यह कीट जड़ों को काटता है और पत्तियों व फूलों को नुकसान पहुंचाता है। नियंत्रण हेतु गोबर की राख में थोड़ा केरोसिन मिलाकर सुबह पौधों पर छिड़काव करें। अधिक प्रकोप होने पर क्लोरपाइरीफॉस 2: धूल 20 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से मिट्टी में मिलाएं तथा पत्तियों पर डाइक्लोर्वोस 76 ईसी 1 मि.ली. प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें।
- गरमा मूंग और उड़द की बुआई प्राथमिकता के आधार पर करें। बुआई से पहले प्रति हेक्टेयर 20 किग्रा नत्रजन, 45 किग्रा स्फूर, 20 किग्रा पोटाश और 20 किग्रा गंधक का प्रयोग करें। बीज को बुआई से दो दिन पहले कार्बेन्डाजिम 2.5 ग्राम प्रति किग्रा से उपचारित करें और बुआई से ठीक पहले राइजोबियम कल्चर से उपचारित करें। बीज दर छोटे दानों के लिए 20–25 किग्रा और बड़े दानों के लिए 30–35 किग्रा प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई 30×10 सेमी दूरी पर करें और मिट्टी में नमी की जांच अवश्य करें।
- इस समय आम के पेड़ों में मंजर आ चुके हैं। मंजर से लेकर मटर के दाने जितने फल बनने तक किसी भी रासायनिक दवा का प्रयोग न करें। विकृत मंजर को तोड़कर बगीचे से बाहर जला दें या मिट्टी में दबा दें।
- बैंगन की फसल में तना और फल छेदक कीट फलों को अंदर से खाकर नष्ट कर देता है। नियंत्रण के लिए पहले प्रभावित तनों और फलों को तोड़कर नष्ट करें। इसके बाद स्पिनोसैड 48 ईसी 1 मि.ली. प्रति 4 लीटर पानी या क्विनालफॉस 1.5 मि.ली. प्रति लीटर पानी के घोल का साफ मौसम में छिड़काव करें।
- दूध देने वाले पशुओं को दिन में छायादार और सुरक्षित स्थान पर रखें तथा उन्हें पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ पानी पिलाएं, ताकि वे गर्मी के प्रभाव से सुरक्षित रहें।

आज का अधिकतम तापमानः 31.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.4 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 19.6 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.4 डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी